भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2418

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

धार्मिक पर्यटन का संवर्धन

†2418. श्री अतुल गर्गः

श्री राजेश वर्माः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार में सतत् अवसंरचना और स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए धार्मिक पर्यटन का संवर्धन करने के लिए कोई विशिष्ट नीति या योजनाएं बनाई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) धार्मिक पर्यटन का इन हॉटस्पॉट्स में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं, छोटे व्यवसायों और रोजगार सृजन पर क्या प्रभाव पड़ता है;

(ग) क्या सरकार ने बड़ी संख्या में पर्यटन वाले तीर्थ स्थलों में भीड़भाड़, पर्यावरणीय क्षरण और अवसंरचना पर दबाव जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) बेहतर संपर्क, आतिथ्य और सुरक्षा उपायों के माध्यम से, विशेषकर गाजियाबाद, समस्तीपुर और खगड़िया लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन के अनुभव को बढ़ाने में डिजिटल प्लेटफॉर्म और सार्वजनिक-निजी भागीदारी की क्या भूमिका है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): धार्मिक पर्यटन सहित पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना का विकास करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय का उद्देश्य 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के तहत तीर्थस्थल और विरासत स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना का समग्र रूप से विकास करके आध्यात्मिक एवं तीर्थयात्रा के अनुभव को बेहतर बनाना है। अब तक, मंत्रालय

ने 28 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 1726.74 करोड़ रु. की अनुमानित लागत की 54 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इसके अलावा, स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने आध्यात्मिक परिपथ, बौद्ध परिपथ, कृष्णा परिपथ, तीर्थंकर और अन्य परिपथों जैसे विभिन्न विषयगत परिपथों के तहत 5290.33 करोड़ रु. की कुल स्वीकृत लागत की 76 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है।

स्वदेश दर्शन योजना को स्थायी एवं उत्तरदायी पर्यटन स्थल का विकास करने के उद्देश्य से 'स्वदेश दर्शन 2.0' के नाम से नया रूप दिया गया है। अब तक, धार्मिक स्थलों की परियोजनाओं सहित 2,208.27 करोड़ रुपये की कुल स्वीकृत लागत की 53 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत एक उप-योजना, 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस उप-योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने आध्यात्मिक पर्यटन, संस्कृति और विरासत आदि जैसी विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 648.11 करोड़ रुपये की लागत की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास हेतु पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' के दिशानिर्देशों के तहत धार्मिक स्थलों पर परियोजनाओं सहित 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी हैं।

पर्यटन मंत्रालय 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजना के तहत पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए सहायता भी प्रदान करता है जिसमें धार्मिक महत्व के स्थलों पर अवसंरचना विकास शामिल है। अब तक, 948.78 करोड़ रुपये की कुल स्वीकृत लागत की 66 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय अपने जारी प्रयासों के हिस्से के रूप में कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया पर प्रचार, मेलों और महोत्सवों आदि जैसे संवर्धनात्मक कार्यकलापों के माध्यम से धार्मिक पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

(ख) से (घ): पर्यटन मंत्रालय अपनी जारी योजनाओं के तहत स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से रोजगार सृजन पर ध्यान देने सहित आजीविका, कौशल, सेवा प्रदान करने आदि पर ध्यान केंद्रित करते हुए समावेशी, एकीकृत और स्थायी तौर पर पर्यटन अवसंरचना का विकास करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने अधिक भीड़भाड़ वाले तीर्थ स्थलों पर भीड़ बढने एवं अवसंरचना का क्षमता से अधिक प्रयोग जैसी चुनौतियों के समाधान के लिए, विभिन्न तीर्थयात्री सुविधाओं, जैसे कतार प्रबंधन परिसर, प्रतीक्षालय, क्लॉक रूम, पहुंच मार्गों का चौड़ीकरण, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी, फुट-ओवर ब्रिज, पार्किंग, पर्यटक सूचना केंद्र, आधारभूत सुविधाएं जैसे शौचालय, कूड़ेदान, पेयजल सुविधाएं और अन्य स्थल विकास संबंधी कार्यों, जैसे बेंच, भूदृश्य, फ्लोरिंग आदि की मंजूरी प्रदान की है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखने के लिए तीर्थस्थलों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, सीवेज उपचार संयंत्र, पेट बोतल फ्लेकिंग मशीन, ई-वाहन, सौर ऊर्जा प्रणाली, अपशिष्ट पृथक्करण इकाइयां, अवशिष्ट पूजा सामग्री प्रबंधन आदि जैसी विभिन्न घटकों को मंजूरी दी है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों पर डीपीआर तैयार करते समय वहन क्षमता, स्थायी प्रथाओं, स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों, निर्माण हेतु स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करने की प्राथमिकता पर बल देता है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अपनी स्वीकृत परियोजनाओं में विभिन्न डिजिटल पहलों/घटकों को भी मंजूरी दी है। कुछ घटकों में एआर/वीआर व्याख्यान केंद्र, वर्चुअल दर्शन, डिजिटल संकेतक, पर्यटक सूचना ऐप, ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म, स्मार्ट पार्किंग समाधान आदि शामिल हैं।

अत्यधिक संख्या में तीर्थयात्रियों के आवागमन को सुरक्षित एवं प्रभावी तरीके से व्यवस्थित करने के लिए सुरक्षा एवं संरक्षा घटकों को भी मंजूरी दी गई है। इनमें सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की स्थापना, एकीकृत कमान और नियंत्रण कक्षों की स्थापना, अग्नि सुरक्षा तंत्र के प्रावधान आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को जहां कहीं अपेक्षित हो, सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम सहित पूरी की गई परियोजनाओं के सतत प्रचालन और प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

****

अनुबंध

श्री अतुल गर्ग और श्री राजेश वर्मा द्वारा धार्मिक पर्यटन का संवर्धन के संबंध में दिनांक 15.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2418 के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

(i) बिहार और उत्तर प्रदेश में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	बिहार	पटना साहिब का विकास	29.62
2.		गया, बिहार में विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	3.63
3.		अंबिका भवानी मंदिर, सारण का विकास	13.29
4.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी का विकास - चरण-I	18.73
5.		मेगा पर्यटक परिपथ (चरण-II) के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास	10.98
6.		गंगा, वाराणसी में रिवर क्रूज पर्यटन का विकास	9.02
7.		वृंदावन में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण	9.36
8.		वाराणसी का विकास - चरण II	44.60
9.		गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	37.59

(ii) बिहार और उत्तर प्रदेश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	बिहार	वैशाली - आरा - मसाद - पटना - राजगीर - पावापुरी - चंपापुरी का विकास	33.96
2.		कांवरिया मार्ग: सुल्तानगंज - धर्मशाला - देवघर का विकास	44.76
3.		बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
4.		भितिहरवा - चंद्रहिया - तुर्कौलिया का विकास	44.27
5.		मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55
6.	उत्तर प्रदेश	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89
7.		चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45

8.		आहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव)-प्रतापगढ़-कौशांबी-मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास	71.91
9.		बिजनौर-मेरठ-कानपुर - कानपुर देहात - बांदा- गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा-सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास	67.51
10.		कालिंजर किला (बांदा) - मगहरधाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुअर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	36.65
11.		अयोध्या का विकास	127.21
12.		जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	12.03
13.		गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30

(iii) बिहार और उत्तर प्रदेश में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूचीः

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	बिहार	बोधगया में बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र का विकास	165.44
2.	उत्तर प्रदेश	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सपीरियंस	14.52
3.		वैदिक - वेलनेस एक्सपीरियंस	17.80

(iv) बिहार और उत्तर प्रदेश में चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूचीः

क्र. सं.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	बिहार	सोनपुर मेला मैदान, सारण में पर्यटक सुविधाओं का विकास	24.29
2.	उत्तर प्रदेश	महोबा में सांस्कृतिक भूदृश्य का विकास	24.98

(v) बिहार और उत्तर प्रदेश में बिहार और उत्तर प्रदेश में (एसएएससीआई) योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूचीः

क्र. सं.	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	बिहार	सहरसा में मत्स्यगंधा झील का विकास	97.61
2.		करमचट में करमचट इको पर्यटन और एडवेंचर हब	49.51
3.	उत्तर प्रदेश	आगरा जिले में बटेश्वर का विकास	74.05
4.		श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास	80.24

(vi) बिहार और उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	बिहार	बक्सर, बिहार में एक्वास्क्रीन प्रोजेक्शन और सांउड शो सहित 3डी मैकिंग और रामरेखा घाट, बिहार में डायनामिक लाइटिंग और मोटिफ	5.99
2.		गया रेलवे स्टेशन	5.18
3.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों का प्रदीप्तीकरण (सारनाथ में धमेख स्तूप में सारनाथ चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकान का मकबरा और बनारस में मान महल)	5.12
4.		वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों में प्रकाश व्यवस्था : 1. दशाश्वमेधघाट से दरभंगाघाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	2.94
5.		राय-बरेली रेलवे स्टेशन	4.44
6.		आगरा कैंट रेलवे स्टेशन	5.05

****